नोएडा > रविवार, 9 फरवरी 2020 > माघ 20 शक संवत 1941 माघ शुक्ल पूर्णिमा विक्रम 2076

YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

पेज 26* > मूल्य 3.50 या 9.00 रुपये संडे टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

www.nbt.in

NBT

संडे नवभारत टाइम्स

अंडर 19 वर्ल्डकप फाइनल आज

भारत Vs बांग्लादेश
1:30 बजे दोपहर से
स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर

▶p12

COOLWINKS लाए हैं HAPPYTIMES

अब हर कोई जीतेगा इनाम। हैपी टाइम्स खेलने वाले हर प्रतिभागी* को मिलेगा ₹500 का कूलविंक्स वाउचर। हर दिन 2000 विजेता जीतेंगे ₹1000* के कूलविंक्स वाउचर्स। अपने पॉइंट्स को बदलें 5X TIMESPOINTS में। इन टाइम्सपॉइंट्स से आप जीत सकते हैं शानदार इनाम।

इनामों की बारिश हो रही है। रोज खेलें हैपी टाइम्स और आपके पास मौका है हर रविवार 12000 टाइम्स पॉइंट्स जीतने का।

अपने कूलविंक्स वाउचर्स को रिडीम कराएं और पाएं ₹25 रुपये और ₹50 के रिचार्ज वाउचर्स। सारे जवाब इसी अंक में ढूंढें। प्रतियोगिता सुबह 7 AM से 11 AM तक खुलती है।

*शर्तें लागू : www.nbthappytimes.com

NBT में विज्ञापन देने के लिए 1800 120 5474 पर कॉल करें । अखबार की अपनी कॉपी प्राप्त करने के लिए कॉल करें 1800 1200 004 या जाएं subscribe.timesgroup.com पर

आज के लिए HAPPY TIMES Q1 2015 के दिल्ली चुनाव में कितने पर्सेंट वोट पड़े थे? पढ़ें Q2 केस से पहले अनिवार्य मध्यस्थता हो, किसने कहा? खेलें क्विज में हिस्सा लेने के लिए एसएमएस करें <शहर>A1<स्पेस><जवाब 1><स्पेस>A2<स्पेस><जवाब 2> और भेज दें 8745966662 पर। जीतें

यूपी के इन दो शहरों के विकास के चर्चे हैं हर जगह

नोएडा और गाजियाबाद एनसीआर के दो शानदार शहर हैं। एक गेटवे है तो दूसरा इंडस्ट्रियल हब। इनकी पहचान एजुकेशन के क्षेत्र में भी काफी है। दरअसल, दिल्ली से नजदीकी के कारण ही इन शहरों की अहमियत काफी बढ़ गई है। एनसीआर में गुड़गांव, न्यू गुड़गांव, भिवाड़ी, और कुंडली जैसे नाम भी शामिल हैं। पर एनसीआर के अन्य शहरों की तुलना में यहां रहना एक बेहतर विकल्प है। सस्ते घरों के ऑप्शन काफी हैं। ऐसे में आजकल कई ऑफर्स ने भी रियल एस्टेट में थोड़ी हलचल तो मचा ही दी है। जानें विस्तार से...

कुछ खास है नोएडा और गाजियाबाद में!

जानकारों की मानें तो गुड़गांव, नोएडा, दिल्ली में जहां 2 और 3 बीएचके फ्लैट की कीमत पॉस एरियाज में एक करोड़ से भी अधिक है, वहीं इंदिरापुरम, वैशाली, कौशांबी, वसुंधरा जैसे इलाकों में यह अभी भी लगभग 45 से 65 लाख ₹ के बीच है। अगर थोड़ा और आगे जाएं तो राजनगर एक्सटेंशन जैसे एरिया में तो यह 30 लाख ₹ में ही उपलब्ध है।

हवेलिया ग्रुप के एमडी निखिल हवेलिया कहते हैं, 'नोएडा एनसीआर में सबसे तेजी से विकसित होने वाले उपशहरों में से एक है। नोएडा दिल्ली के करीब है और अन्य एनसीआर स्थानों से तुलनात्मक रूप से सस्ता होने के कारण दोहरा लाभ प्रदान करता है। यह उपभोक्ता को उनके बजट के अनुसार उपयुक्त विकल्प ढूंढने का विकल्प प्रदान करता है।'

बड़े मॉल्स, स्कूल और हॉस्पिटल भी

इस शहर में डीपीएस, गोएनका, एमिटी समेत कई बड़े स्कूल हैं, जो बच्चों की पढ़ाई के लिहाज से बेहतर माने जाते हैं। वहीं हायर स्टडीज के लिए इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट इंस्टिट्यूशन भी काफी संख्या में हैं। इनमें रहने की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। गाजियाबाद की एक और खासियत है बड़े हॉस्पिटल की मौजूदगी। इस एरिया में कई मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल भी है। मार्केट के लिहाज से भी यह एरिया काफी फल-फूल रहा है। हर एरिया का अपना एक मार्केट है। साथ ही कई मॉल्स भी इसकी पहचान हैं। वहीं साप्ताहिक हाट, जो सस्ती सब्जी के लिए मशहूर है, यहां के लोगों को खूब भाता है।

बेहतर कनेक्टिविटी

गाजियाबाद की एक और खासियत है बेहतर कनेक्टिविटी। इस मामले में यह किसी भी एंगिल से गुड़गांव या नोएडा से पीछे नहीं है। एनएच24, लिंक रोड, फ्लाई ओवर और कई बेहतर कनेक्टिविटीज हैं। साथ ही अभी वैशाली तक मेट्रो और इन सड़कों पर चलने वाली बसें और ऑटो सभी कुछ उपलब्ध है। आनन्द विहार में रेलवे स्टेशन से नजदीकी। वैसे गाजियाबाद भी एक बड़ा रेलवे स्टेशन है। कई लोकल ट्रेन लगातार चलती रहती हैं, जो दिल्ली से हमेशा जोड़कर रखती है।

एक्सपर्ट के मुताबिक रेडी-टु-मूव इन घरों की मुख्य रूप से 4 फायदे हैं: निवेश की सुरक्षा, सभी जगह के अप्रुवल्स, कंप्लीट कंस्ट्रक्शन और सभी सुख सुविधाओं का उपलब्ध होना शामिल है।

दिल्ली से करीब नोएडा

नोएडा दिल्ली के नज़दीक है। कालिंदी कुज से नोएडा सिटी सेंटर तक नए मेट्रो रूट के चलते दिल्ली और नोएडा के बीच की दूरी और कम हो गई है। नोएडा चौड़ी सड़कों से युक्त सुनियोजित शहर है। इसका परिवहन नेटवर्क भी तेज़ी से विकसित हो रहा है। पानी की आपूर्ति भी अच्छी है। इसलिए इन्वेस्टर्स नोएडा में घर खरीदना पसंद कर रहे हैं।

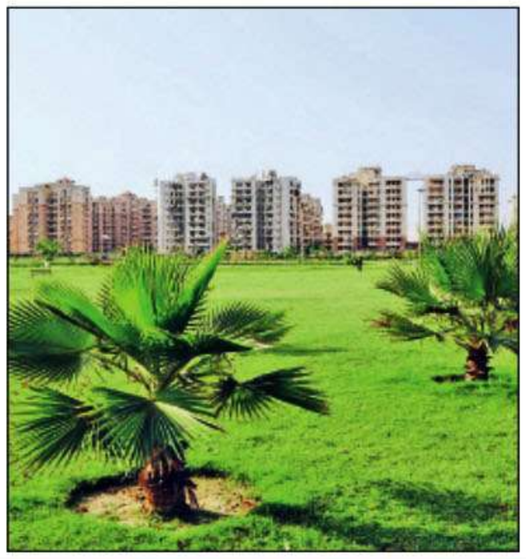

शहर में रेडी-टु-मूव अपार्टमेन्ट्स और अफोर्डेबल फ्लैट्स की मांग तेज़ी से बढ़ी है।

गौड़ सन्स के एमडी मनोज गौड़ कहते हैं 'नोएडा एक्सटेंशन और गाजियाबाद में हर लिहाज से कस्टमर्स के लिए शानदार विकल्प उपलब्ध हैं। यहां पर तैयार घर भी हैं और अंडर कंस्ट्रक्शन। बायर्स को जिस तरह का फ्लोर चाहिए वह उपलब्ध है।'

एक्सपर्ट्स कहते हैं कि बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर के चलते भी लोग इस शहर में घर खरीदना पसंद कर रहे हैं। वर्तमान में अंडर कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टी के बजाए रेडी-टु-मूव सम्पत्तियों का बाज़ार तेज़ी से विकसित हो रहा है। कारण यह है कि परियोजनाओं की डिलीवरी में देरी के चलते बायर अधिक सतर्क हो गया है। हालांकि आने वाले समय में अंडर कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टी के प्रति रुझान बदलने की उम्मीद है क्योंकि रेरा में रजिस्टर्ड प्रॉजेक्ट्स की समय पर डिलीवरी होने से बायर्स का भरोसा बढ़ेगा। सच तो यह है कि एक तैयार अपार्टमेंट में बुकिंग के कई फायदे हैं। इससे बायर्स के रेंट का झंझट खत्म हो जाता है। उनकी फाइनैंशल स्थित बेहतर होती चली जाती है। सीधे कहें तो ईएमआई के दोहरे बोझ से राहत मिलती है। इसके अलावा एक अंडरकंस्ट्रक्शन घर की अपेक्षा खरीददार रेडी-टु-मूव-इन प्रोजेक्ट में वैसा ही घर पाता है जैसा उसने बुकिंग कराते समय देखा होता है। मतलब यह है कि गड़बड़ी की आशंका पूरी तरह खत्म हो जाती है। इसके साथ ही तैयार में पजेशन की देरी की चिक-चिक भी खत्म हो जाती है।

गौड़ सन्स के एमडी मनोज गौड़ कहते हैं 'नोएडा एक्सटेंशन और गाजियाबाद में हर लिहाज से कस्टमर्स के लिए शानदार विकल्प उपलब्ध हैं। यहां पर तैयार घर भी हैं और अंडर कंस्ट्रक्शन। बायर्स को जिस तरह का फ्लोर चाहिए वह उपलब्ध है।'